सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 90 | जौनपुर, बुधवार, 20 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सुक्खू सरकार को बड़ा झटका, कुर्क होगा दिल्ली का हिमाचल भवन

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार द्वारा लगभग 150 करोड़ रुपये की बिजली बकाया का भुगतान करने में विफल रहने के बाद हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने दिल्ली में हिमाचल भवन को कुर्क करने का आदेश जारी किया। हिमाचल भवन राष्ट्रीय राजधानी में मंडी हाउस में स्थित है। अदालत ने बिजली विभाग के प्रधान सचिव को लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान करने के लिए तथ्यान्वेषी जांच करने का भी निर्देश दिया है, जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई। कोर्ट का यह फैसला सुक्खू सरकार द्वारा 64 करोड़ रुपये चुकाने के पिछले आदेशों की अनदेखी के बाद आया है, जो अब ब्याज के कारण बढ़कर लगभग 150 करोड़ रुपये हो गया है। सूत्रों ने बताया कि मामला लाहौल–स्पीति में चिनाब नदी पर 400 मेगावाट के सेली हाइड्रो प्रोजेक्ट से जुड़ा है। पहले की कार्यवाही में सरकार को कंपनी द्वारा जमा कराए गए 64 करोड़ रुपये और 7 प्रतिशत ब्याज लौटाने का आदेश दिया गया था। अदालत ने पहले सरकार को चेतावनी दी थी कि बकाया नहीं चुकाने पर गंभीर परिणाम होंगे। इसमें इस बात पर भी जोर दिया गया कि इसमें शामिल ध नराशि राज्य के खजाने से थी।

जम्मू–कश्मीर विस में विशेष दर्जा का मुद्दा उठाने के लिए विधायकों की प्रशंसा की

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने संविधान के अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने का मुद्दा जम्मू–कश्मीर विधानसभा के पहले सत्र के दौरान उठाने के लिए पार्टी के तीन विधायकों की सराहना की। महबूबा की अध्यक्षता में हुई एक बैठक के बाद पीडीपी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने आधिकारिक हैंडल पर जारी पोस्ट में कहा, ''पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आज श्रीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय में पीडीपी विधायकों के प्रयासों की सराहना की। ये चुनाव जम्मू –कश्मीर की पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए थे। हमारे विधायकों ने अनुच्छेद 370 और 35ए को एकतरफा तरीके से हटाए जाने पर लोगों की गहरी चिंताओं को उठाया है। हमारे अधिकारों के लिए लड़ाई विधायिका और जनता के बीच जारी है। इस बैठक में पार्टी के तीन विधायकों वहीद पारा, रफीक नाइक और मीर मोहम्मद फैयाज के अलावा नईम अख्तर, अब्दुल रहमान वीरू, गुलाम नबी लोन, खुर्शीद आलम, बशारत बुखारी, आसिया नकाश और जहूर मीर जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी विधायक नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों की याद दिलाते रहेंगे।

एनडीए सरकार बनने पर घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे - सीएम योगी

झारखंड, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आादित्यनाथ चुनाव प्रचार के आखिरी दिन झारखंड में रहे। सीएम योगी ने कांग्रेस, झामुमो और राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड के विकास का जो सपना अटल जी ने देखा था, इन पार्टियों ने उस पर पानी फेर दिया। प्राकृतिक रूप से धनी झारखंड भौतिक विकास में पिछड़ गया। झारखंड की जनता गरीब ही रह गई, लेकिन इन पार्टियों के नेता के घरों में नोटों के पहाड़ मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद और झामुमो मंत्री आलमगीर–उसके नौकरों के घर करोड़ों रुपये मिले, जिसे गिनते–गिनते मशीन गर्म हो गई। एक–दो नहीं, बल्कि 70 मशीनें मंगाई गई। यह पैसा कांग्रेस, झामुमो व राजद का नहीं, बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा झारखंड के विकास के लिए भेजा गया था। इन्होंने जितना लूटा है, 23 नवंबर के बाद एक–एक पाई का हिसाब होगा। यह पैसा झारखंडवासियों के घर आएगा। सीएम योगी ने विश्वास दिलाया कि एनडीए सरकार बनने के बाद घुसपैठियों को लात मारकर निकालेंगे। सीएम योगी ने कहा कि राजमहल, साहिबगंज व आसपास के क्षेत्र को बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्या मुसलमानों का अवैध गढ़ बनाने का काम हो रहा है, लेकिन जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की डबल इंजन सरकार है, वहां घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। वहां दंगा, कर्फ्यू और गुंडागर्दी नहीं, बल्कि समृद्धि व सुशासन है। यूपी में डबल इंजन सरकार होने के कारण वहां कोई घुसपैठ, गोहत्या, बेटी की इज्जत से खिलवाड़ नहीं कर सकता, किसी ने ऐसा किया तो यमराज के घर का टिकट पक्का है। यह कार्य केवल भाजपा गठबंधन कर सकती, झामुमो व कांग्रेस नहीं। उन्होंने कहा कि पहले चरण का मतदान बता रहा है कि भाजपा नेतृत्व की एनडीए सरकार दो तिहाई से अधिक सीटों पर विजयी होकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। सीएम ने मोदी की गारंटी गिनाते हुए कहा कि 23 नवंबर

को झारखंड में भाजपा सरकार आने के बाद 21 लाख परिवारों को पीएम आवास देंगे। डेढ़ लाख सरकारी नौकरी का विज्ञापन भी जारी करेंगे। घुसपैठियों को सेंधमारी का अवसर नहीं देना है। भाजपा सरकार बनने के बाद इन घुसपैठियों को लात मारकर बाहर करेंगे। इनके रहनुमाओं से हिसाब होगा। सीएम योगी ने चेताया कि जब–जब बंटे थे तो कटे थे। अब बंटना नहीं है। जाति के नाम पर बांटने वाले नेता समाज व देश के दुश्मन हैं, इनसे सजग रहना है। सीएम योगी ने कहा कि दुश्मन 2014 के पहले घुसपैठ करते थे, लेकिन आज वे भारत में घुसने का दुस्साहस नहीं कर सकते। यह लोग अवैध माइनिंग कराते हैं, लेकिन गरीब एक ट्रॉली बालू के लिए तरसता है। खनन–बालू माफिया झारखंड को खोखला बना रहे हैं, जबकि यूपी में माफिया पर सख्ती है। खनन, कोल, वन, पशु, भूमाफिया झारखंड को खोखला, नागरिकों को गरीब और नौजवानों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। झामुमो सरकार ने रोटी, बेटी व माटी पर संकट खड़ा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि देवघर का कंकड़–कंकड़ शंकर है। श्रावण मास में उत्तर प्रदेश से यहां लाखों श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने अपील की कि बाबा की नगरी में बाबा का भक्त ही जीतकर जाना चाहिए। झामुमो, कांग्रेस व राजद पर हमला करते हुए सीएम योगी ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए यह लोग आपके जीवन, सुरक्षा और भोलीभाली बेटियों के इज्जत से खिलवाड़ करते हैं। लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं। लैंड जिहाद के नाम पर जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। यूपी में लैंड व लव जिहाद नहीं है, वहां कोई ऐसा करेगा तो उसका यमलोकपुरी का टिकट कटता है। उसे धरती माता में भी जगह नहीं मिलती है।

मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में उत्तर भारत – गोपाल राय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली का प्रदूषण गंभीर स्थिति में है। वहीं, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भाजपा औक केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति को लेकर आपातकालीन बैठक बुलाने के संबंध ा में दिल्ली सरकार के लगातार अनुरोध के बावजूद भाजपा के पर्यावरण मंत्री सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक बार फिर प्रदूषण पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए, कार्रवाई करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है तथा केंद्र को प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। गोपाल राय ने कहा कि 'ग्रैप' को पूरे उत्तर भारत में लागू किया जाना चाहिए, भाजपा शासित राज्यों में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम लगातार काम कर रहे हैं। हमने BS–III पेट्रोल चार पहिया वाहनों, BS–III डीजल वाहनों पर प्रति बंध लगा दिया है। बाहर से आने वाले सभी ट्रक, डीजल बसों पर रोक लगा दी गई है. 10वीं और 12वीं के लिए भी स्कूल बंद कर दिए गए हैं. तीसरा, कार्यालयों के लिए समय अलग–अलग कर दिया गया है। रही बात वर्क फ्रॉम होम की तो हम उस पर भी काम कर रहे हैं। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। हम उस पर अमल भी करेंगे। आप नेता ने कहा कि हम उन सभी चीजों पर काम कर रहे हैं जो हमारे हाथ में हैं और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।

पीएम मोदी ने रियो जी20 शिखर सम्मेलन में प्रमुख नेताओं के साथ कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी रियो जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने ब्राजील पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। ब्राजील में पीएम मोदी ने दुनिया के कई प्रमुख नेताओं के साथ संवाद कर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इन मुलाकातों को महत्वपूर्ण बताया। जी20 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, रियो डी जनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुझे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल से संवाद किया। पीएम मोदी ने इस संवाद को सुखद और सार्थक बताया। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के साथ भारत के रिश्तों को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक भलाई के लिए निरंतर काम करते रहेंगे। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल– सीसी से भी प्रधानमंत्री मोदी ने रियो जी20 शिखर सम्मेलन में बातचीत की। पीएम मोदी ने इस मुलाकात को बहुत ही शानदार बताते हुए मिस्र के साथ भारत के रिश्तों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

रांची को कराची बनाना चाहते हैं हेमंत सोरेन – गिरिराज सिंह

झारखंड, एजेंसी। झारखंड में वोटिंग से एक दिन पहले जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन पर केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बड़ा वार किया है। सत्तारूढ़ झामुमो–कांग्रेस गठबंधन पर हमला करते हुए गिरिराज सिंह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य की राजधानी रांची को कराची में बदलना चाहते हैं। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने झारखंड के लोगों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए वोट करने का आग्रह किया। झारखंड में दूसरे चरण की 38 विधान सभा सीटों के लिए बुधवार को मतदान होगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं झारखंड और महाराष्ट्र के सभी चुनाव अधिकारियों और एनडीए के पोलिंग एजेंटों से अपील करता हूं कि धर्म के आधार पर वोट जिहाद की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और उन्हें पर्दा हटाकर मतदाताओं की जांच करनी चाहिए। पर्दा हटाकर उनके चेहरे देखना कानूनी तौर पर सही है। उन्होंने कहा कि कल महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हैं। महाराष्ट्र के लोगों ने फैसला किया है कि वे उन लोगों को कभी वोट नहीं देंगे जो रोहिंग्याओं का समर्थन करते हैं और समाज को विभाजित करते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा है, श्एक रहोगे, सुरक्षित रहोगे, बटोगे तो काटोगे। भाजपा नेता ने कहा कि मैं झारखंड के लोगों से प्रार्थना करता हूं, उनसे अपील करता हूं, उनसे अनुरोध करता हूं कि कल जब आप वोट करने जाएं तो सिर्फ विधायक चुनने नहीं जाएं।

भाजपा सरकार में नहीं होते जनहित के कार्य – अखिलेश

देहरादून, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव किसी कार्यक्रम में शिरकत करने मंगलवार को हरिद्वार पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों ने उनसे पूछा कि आप सीएम पुष्कर सिंह धामी के

कार्यकाल को कैसे देखते हैं? तो इस पर सपा प्रमुख ने कहा कि मुझे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कोई भी सरकार अच्छी नहीं लगती। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा, "भाजपा की सरकार में सिर्फ नकारात्मकता भरी हुई है। इन लोगों को जनता के हितों से कोई लेना देना नहीं है। जिस समय उत्तराखंड का बिल पास हो रहा था, उस वक्त मैं सदन में था, तभी नेता जी ने स्पष्ट कहा था कि उत्तराखंड को विशेष पैकेज मिलना चाहिए। मुझे याद है कि उस समय जब एनडी तिवारी सीएम बने, तभी थोड़े बहुत कलदृकारखाने उत्तराखंड में आए थे। इसके बाद तो सब कुछ खत्म हो गया। उन्होंने कहा, "एनडी तिवारी के द्वारा जो शुरुआत की गई थी, उसे रोक दिया गया और जिस लक्ष्य से उत्तराखंड का गठन किया गया था, वो लक्ष्य प्राप्त नहीं हो सका।

उन्होंने कहा, "मुझे अच्छे से याद है कि मैं बरेली से हल्द्वानी एनडी तिवारी का जन्मदिन मनाने आया था। उस वक्त उत्तर प्रदेश में फोर लेन बन गई थी। लेकिन, उत्तराखंड में फोरलेन नहीं बन पाई। उत्तराखंड में ट्रैफिक जाम की बहुत समस्या है। कल ही एनजीटी ने कहा कि डीएम साहब गंगा का पानी पीकर दिखा दो। देखिए, जिन लोगों ने गंगा के नाम पर प्रचार किया। लेकिन, आज तक इन लोगों ने मां गंगा के लिए कुछ नहीं किया। इतना ही नहीं, आप बनारस में जाकर भी देख लो, वहां पर भी आपको गंगा नदी दूषित ही दिखेंगी।

देश की 30 फीसदी खेती की जमीन पर मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो रही - कृषि मंत्री चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश में मिट्टी की खराब होती उर्वरता पर चिंता व्यक्त की। कृषि मंत्री ने कहा कि इससे देश की 30 प्रतिशत भूमि प्रभावित हो रही है। उन्होंने टिकाऊ खेती के लिए मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने की तत्काल जरूरत पर बल दिया। मिट्टी की गुणवत्ता पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि श्भुखमरी को समाप्त करने, जलवायु कार्रवाई तथा भूमि पर जीवन से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए मृदा की गुणवत्ता में सुधार करना जरूरी है।

हम हर साल 33 करोड़ से अधिक खाद्यान्नों का उत्पादन कर रहे हैं और 50 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का निर्यात कर रहे हैं, लेकिन, यह सफलता अपने साथ चिंताएं भी लेकर आई है, खासकर मिट्टी की गुणवत्ता के मामले में। चौहान ने बताया कि भारत की करीब 30 प्रतिशत भूमि की गुणवत्ता बढ़ती उर्वरक खपत, उर्वरकों के असंतुलित इस्तेमाल, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और गलत मृदा प्रबंधन के चलते बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार द्वारा मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों को 22 करोड़ से अधिक मृदा गुणवत्ता कार्ड बांटे गए हैं और सूक्ष्म सिंचाई, जैविक व प्राकृतिक कृषि खेती को बढ़ावा दिया गया है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अधिक केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता है, खासकर बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा और जलवायु परिवर्तन चुनौतियों को देखते हुए।

खेती को बढ़ावा देने की अपील चौहान ने कहा कि जल्द ही आधुनिक कृषि पर एक नया कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद रहे नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने ब्राजील तथा अर्जेंटीना जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों में संरक्षित कृषि व जुताई रहित विधियों के सफल कार्यान्वयन के बावजूद भारत और दक्षिण एशिया में इन्हें बड़े पैमाने पर न अपनाए जाने पर निराशा जाहिर की।

कोतवाली नगर व हैदरगंज क्षेत्र मे युवतियों की लाश मिलने से पुलिस महकमें में मचा हडकंप, जांच में जुटी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। बुधवार को कोतवाली नगर व थाना हैदरगंज क्षेत्र में दो युवतियों की संदिग्ध अवस्था में लाश मिलने से पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया। बताते चले कि दोनों थाना क्षेत्रों में मिली दोनों युवतियों का शव घर के कमरे में फांसी से फंदे से लटका मिला है।पुलिस दोनों युवतियों की मृत्यु को आत्महत्या मान रही है। एक घटना जिले के थाना हैदरगंज के बैसूपाली केवटहिया गांव की है, दूसरी घटना कोतवाली नगर के वजीरगंज की है।पुलिस ने दोनों युवतियों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताते चले कि नगर कोतवाली के वजीरगंज मदरसा नुरुल हबीबिया जूनियर हाईस्कूल के निकट रहने वाली भूरी निषाद (18) पुत्री स्व पिंटू निषाद का शव उसके ही घर में सीलिंग फैन से रस्सी के फंदे के सहारे लटका मिला है। मामला युवती से जुड़ा होने के चलते पुलिस ने विधि ा विज्ञान प्रयोगशाला की टीम बुलवा

साक्ष्य संकलन कराया है।इस संबंध मे सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह व प्रभारी निरीक्षक नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने संयुक्त रूप से बताया बताया कि मामले की जांच–पड़ताल कराई जा रही है। वहीं दूसरी अन्य घटना थाना हैदरगंज क्षेत्र के के बैसू पाली गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में 16 वर्षीय किशोरी का घर के अंदर टिन सेट से शव लटकता परिजनों को मिला।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की बाद पोस्टमार्टम को भेज दिया है।बताते चले कि हैदरगंज थाना क्षेत्र के बैसू पाली केवटिहा गांव निवासी अजय कुमार की 16 वर्षीय बेटी निधि का संदिग्ध परिस्थितियों में घर के पास लगे टिन सेड में बल्ली के सहारे शव लटकता परिजनों को मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम को भेज दिया है। इस संबंध में थाना हैदरगंज प्रभारी निरीक्षक अरशद अली का कहना है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किशोरी की मौत कैसे हुई है स्पष्ट हो सकेगा अभी कुछ कहा जाना संभव नहीं है फिलहाल प्रथम दृष्टि या मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। किशोरी ने किस बात को लेकर आत्महत्या कर लिया इस पहलू पर भी जांच पड़ताल की जा रही है। परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है अगर तहरीर मिलती है तो जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

वायु सेना को क्षमता विकास पर ध्यान देने की जरूरत – रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय वायु सेना के कमांडरों के सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भारतीय वायु सेना के अधिकारियों को सलाह दी। उन्होंने कहा कि वायु सेना के क्षमता विकास पर ध यान देने की जरूरत है।

सेना की प्रक्रिया को कुशल और प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने देश की संप्रभुता की रक्षा में समर्पण और व्यावसायिकता के लिए वायु सेना के बल की सराहना की। रक्षा मंत्री ने सैन्य क्षेत्र में उत्पन्न होती चुनौतियों के अनुरूप ढलने की वायु सेना की क्षमता पर विश्वास जताया। साथ ही कमांडरों और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों और आकांक्षाओं के अनुरूप क्षमता निर्माण की प्रक्रिया को अधिक कुशल और प्रभावी बनाने के साधनों पर विचार

करने का आह्वान किया। सम्मेलन में भारतीय वायु सेना के कमांडरों ने राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों, जिसमें चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति समेत कई मुद्दों की समीक्षा की। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भारतीय वायु सेना की परिचालन क्षमताओं के बारे में जानकारी दी गई।

संपादकीय

हर पल अनमोल

समय को लेकर हमारा दृष्टिकोण हमेशा से गहरा और महत्त्वपूर्ण रहा है। गया समय कभी वापस नहीं आता, एक ऐसा तथ्य है, जिसे हम सब स्वीकार करते हैं, फिर भी अक्सर हम इसे नजरअंदाज करते हैं। समय की महत्ता को समझने के लिए हमें यह जानना जरूरी है कि हमारे जीवन में समय की कमी केवल एक वस्तुगत समस्या नहीं है, बल्कि यह हमारे सोचने और जीने के तरीके को भी प्रभावित करती है । भारतीय संस्कृति में समय को काल के रूप में दर्शाया गया है। गीता में कृष्ण ने कहा है कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, यानी आपका अधिकार केवल कर्म करने में है, फल की चिंता करने में नहीं। इसके माध्यम से यह समझा जा सकता है कि हमें अपने कार्यों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि समय के बीत जाने के साथ ही हम अपने जीवन जीने के उद्देश्यों को भी खो देते हैं। समय का सही उपयोग करना ह में आत्मनिर्भर और सफल बनाता है। जब हम अपने कार्यों को टालते हैं या समय की अनदेखी करते हैं, तब हम वास्तव में अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे होते हैं। समय कभी लौटकर नहीं आता और इसका मोल भी केवल तभी समझ में आता है, जब हम इसे खो देते हैं। प्रसिद्ध लेखक पाब्लो पिकासो ने कहा था, अगर कोई चीज समय के साथ नहीं बदलती, तो वह समय के साथ खत्म हो जाती है। समय का सदुपयोग ही हमें उस स्थिति से बाहर निकाल सकता है, जहां हम अपनी क्षमताओं का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इस दौड़ में हर व्यक्ति एक प्रतिभागी है। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाने के लिए समय–प्रबंधन आवश्यक है। हम सभी के पास चौबीस घंटे होते हैं, पर क्या हम इस समय का सही उपयोग कर पा रहे हैं? यह उक्ति आमतौर पर लोग दोहराते मिल जाते हैं कि जो बीत गया, वह फिर नहीं आएगा। यह एक ऐसा विचार है जो हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने जीवन के इस अमूल्य समय को सही दिशा में उपयोग कर रहे हैं या नहीं। समय का सही उपयोग करते हुए हम अवसरों को पहचान सकते हैं। जीवन में अनेक बार ऐसे मौके आते हैं, जब हम समय को प्राथमिकता नहीं देते। इस कारण से हम अवसरों को खो देते हैं। काल का दुरुपयोग न करें जैसे संदेश हमें बहुत सारे लोगों ने दिया होगा। सच भी यह है कि समय की साधना करने से हम अपने लक्ष्य के करीब पहुंच सकते हैं। इसे प्राथमिकता बनाए बगैर हम अपने सपनों को साकार करने के बारे में सोच भी नहीं सकते । वक्त बीतने के साथ–साथ कई ऐसी यादें भी होती हैं जिन्हें हम भुला नहीं सकते। जब हम किसी प्रिय व्यक्ति को खो देते हैं, तब यह अहसास होता है कि समय का मूल्य कितना बड़ा है। यादों का यह सफर कभी खत्म नहीं होता। इसलिए हमें अपने प्रियजनों के साथ बिताए गए वक्त की कद्र करनी चाहिए। इस तथ्य से शायद ही कोई अनजान होगा कि जो पल बीत गए, वे कभी वापस नहीं आते। हमें हर लम्हे को जीने की कला सीखनी होगी। एक मुश्किल यह भी है कि वक्त का खयाल रखते हुए क्या हमें हमेशा इस हद तक फिक्रमंद हो जाना चाहिए कि नकारात्मकता के करीब चले जाएं! इसका असर दीर्घकालिक स्तर पर नकारात्मक ही होगा। इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए सकारात्मक सोच बनाए रखनी चाहिए । जब हम अपने विचारों में सकारात्मकता लाते हैं, तब हम अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। इस मसले पर हम अपने महापुरुषों के विचार भी सुनें – जानें तो यही पता चलता है कि हमें अपने लक्ष्यों की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और समय को अपने पक्ष में करना चाहिए। सकारात्मकता हमें कठिनाइयों से लड़ने की ताकत देती है। समय प्रबंधन की कला हमें सिखाती है कि कैसे हम अपने कार्यों को प्राथमिकता दें। अपने कार्यों को योजना बनाकर पूरा करना हमें समय की बर्बादी से बचा सकता है। अपने जीवन के लक्ष्यों को स्पष्ट करके उन्हें समय के अनुसार विभाजित करना चाहिए। दैनिक कार्यों की एक सूची बनाकर उसे पूरा करने का प्रयास किया जा सकता है।

हर कार्य के लिए एक समय सीमा तय कर लेना चाहिए, ताकि समय का सही प्रबंधन कर किया जा सके। लंबे समय तक काम करते रहने से मानसिक थकान होती है। इसलिए छोटे–छोटे विराम लेना चाहिए। समाज में समय की अनदेखी करने के बजाय इसका सदुपयोग करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। जब हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं, तब हम समय का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। हमें चाहिए कि हम अपने सामर्थ्य का उपयोग समाज के उत्थान में करें। कहा गया है कि समाज में जो कुछ भी किया जाता है, वह समय की समझदारी से ही संभव होता है। समय का महत्त्व अनंत है। बीता समय कभी वापस नहीं आता जैसी उक्ति का अर्थ यही है कि हमें हर लम्हे को जीने और उसका सही इस्तेमाल करने का प्रयास करना चाहिए। हमें चाहिए कि हम समय की कद्र करें, क्योंकि यह हमारे जीवन का सबसे मूल्यवान धन है। समय का सही उपयोग किसी को भी आत्मनिर्भर बनाता है, सफलता की ओर ले जाता है और सपनों को साकार करने में मदद करता है । समय को बर्बाद करने वालों को इसकी मार झेलनी पड़ती है, इसलिए इसे अपनी यात्रा का साथी बना लेना चाहिए। जीवन का हर पल मूल्यवान है। इसका सही प्रबंधन करने की जरूरत है, ताकि एक सफल और सुखद जीवन की ओर बढ़ा जा सके।

भारत के नेतृत्व में ब्रिक्स ग्लोबल साउथ की आवाज बन सकता

आदित्य

रूस के कजान में 22–24 अक्टूबर को आयोजित 16वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चर्चा का विषय बना हुआ है। ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) बहुपक्षवाद, शांति, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक अंतर–सरकारी निकाय है। 2009 में इसके पहले शिखर सम्मेलन में संस्थापक सदस्य ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल थे, एक साल बाद दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। इस साल ब्रिक्स का विस्तार हुआ और इसमें चार नए सदस्य शामिल हुए, तथा 30 और देशों ने सदस्यता के लिए आवेदन किया है। इस साल पश्चिम के नेतृत्व वाली ब्रेटन वुड्स वैश्विक मौद्रिक प्रणाली को चुनौती देने के लिए वैकल्पिक वित्तीय मॉडल के लिए वार्ता हुई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक शामिल हैं, साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों की वकालत करने के लिए एक संयुक्त मोर्चे के लिए प्रयास किया गया। तो, क्या ब्रिक्स नया ग्लोबल साउथ क्लब बनने के लिए तैयार है – या यह एक कट्टर पश्चिमी विरोधी विश्व व्यवस्था का अग्रदूत है? रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर पश्चिमी प्रतिबंधों के खिलाफ आवाज उठाने का एक स्पष्ट अवसर था, जिसमें वाशिंगटन द्वारा मास्को को वित्तीय आपूर्ति रोकने के प्रयास शामिल थे, और वैश्विक दक्षिण से समर्थन के लिए पैरवी करना भी शामिल था। प्रासंगिक रूप से, "वैश्विक दक्षिण" केवल एक भौगोलिक नहीं बल्कि एक भू–राजनीतिक और सामाजिक–आर्थिक समूह है। कई वैश्विक दक्षिण राष्ट्र दक्षिणी गोलार्ध में, एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में हैं, जो अक्सर उपनिवेशित इतिहास साझा करते हैं जिसके कारण

सदियों तक आर्थिक शोषण हुआ। इनमें से कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं ने रूस को ब्लैकलिस्ट नहीं किया है, इसे कुछ पश्चिमी विश्लेषकों ने मॉस्को की यूक्रेन नीति के लिए वैश्विक दक्षिण के समर्थन के रूप में गलत तरीके से समझा है। इसके बजाय, यह अधिक सटीक रूप से पश्चिम के साथ बढ़ते मोहभंग को दर्शाता है, जो कि कई पूर्ववर्ती उपनिवेशित राष्ट्रों द्वारा युद्ध और साम्राज्यवाद पर पश्चिमी दोहरे मानकों और अन्य एजेंडों के लिए मानवाधिकारों के चयनात्मक (दुरुपयोग) के रूप में देखा जाता है, इसलिए गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों के रूप में अपने स्वयं के राजनीतिक–आर्थिक हितों का पीछा करते हैं। या जब भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बात आती है, तो बहु–गठबंधन। अलग–अलग राजनीतिक मान्यताओं वाले साथी भारतीय नाटो पर अलग–अलग राय रखते हैं, लेकिन मैं किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिला जो रूस के आक्रमण को मंजूरी देता हो। बल्कि, कई लोगों के बीच रूस के साथ ऐतिहासिक दोस्ती की भावना है, कि मास्को ने भारत के हितों को नुकसान नहीं पहुँचाया है, और दूसरों द्वारा किए गए युद्ध की लागत वहन करने से इनकार कर दिया है। भू–रणनीतिक दृष्टिकोण से, रूस–चीन साझेदारी को मजबूत करने के मद्देनजर, मास्को के साथ निरंतर संबंध भारत के लिए इंडो–पैसिफिक में चीनी विस्तारवाद का मुकाबला करने के लिए उपयोगी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले भारत और चीन के बीच हाल ही में हुए सफल सीमा समझौते के बाद, कुछ तिमाहियों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि मास्को ने दो एशियाई दिग्गजों के बीच शत्रुता को कम करने में मदद की हो सकती है। इस चीन–भारत समझौते के तहत, 2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद से चल रहे लंबित मुद्दों को सुलझाया जा रहा है, जिसमें दोनों पक्ष वास्तविक नियंत्रण रेखा (स्.।ब्) पर घर्षण बिंदुओं पर भारतीय सैनिकों की वापसी की अनुमति देने वाली गश्त व्यवस्था पर सहमत हुए हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी कूटनीतिक जीत है, पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और देपसांग में तनाव को इन क्षेत्रों में सैन्य तनाव कम करके संबोधित किया गया है। शिखर सम्मेलन की इस समयबद्ध शुरुआत के साथ, वैश्विक दक्षिण के प्रमुख नेताओं की बैठक के बाद, ब्रिक्स द्वारा उत्पन्न विश्वव्यापी रुचि आश्चर्यजनक नहीं है। कुछ आलोचनाएँ इस बात पर भी केंद्रित हैं कि ब्रिक्स किस तरह से बहुत अलग–अलग हितों वाले देशों का एक बहुत ही ढीला–ढाला गठन है। जबकि बीजिंग और मॉस्को ब्रिक्स को सामान्य रूप से पश्चिमी नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था और विशेष रूप से अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए एक मंच के रूप में देखते हैं, लेकिन भारत के साथ ऐसा नहीं है, जो पश्चिम विरोधी नहीं है और ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण की चिंताओं के लिए बेहतर समर्थन और बातचीत करने के लिए एक वैकल्पिक संगठन के रूप में देखता है, जी–7 जैसे कुलीन क्लबों की तुलना में जिन्हें उभरती अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण की वकालत करने के लिए डिजाइन नहीं किया गया था। जबकि ब्रिक्स की सदस्यता जी–7 की तुलना में कम समरूप है, जिसके सभी सदस्य समान विकासात्मक मानदंडों को पूरा करते हैं, यहाँ तक कि जी–7 भी आंतरिक असहमति से अछूता नहीं है। उदाहरण के लिए, फ्रांस की विदेश नीति के कुछ रुख संयुक्त राज्य अमेरिका से स्वतंत्र हैं, जैसे कि इजरायल–फिलिस्तीन युद्ध, या इटली की फ्रांस के साथ नीतिगत असहमति, जैसे कि रूस–यूक्रेन युद्ध में लड़ने के लिए घरेलू सैनिकों को नहीं भेजना। फिर भी, इस तरह के आंतरिक असंतोष के बावजूद, ळ–7 एक बड़े दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम रहा है, जो समय के साथ समूह की आर्थिक और भू–राजनीतिक शक्ति को मजबूत करता है। यह ब्रिक्स के लिए आगे की बड़ी चुनौती है। उभरती अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण की वकालत करने की बहुत आवश्यकता है ताकि शक्तिशाली ब्लॉक ग्लोबल साउथ पर एकतरफा शर्तें न थोपें, यह ब्रिक्स सदस्यता के लिए आवेदन करने वाले देशों की विशाल संख्या से स्पष्ट है। अब समूह को एक स्पष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। क्या ब्रिक्स में प्रवेश के लिए कोई आर्थिक आवश्यकताएं (जैसे जीडीपी स्तर) होंगी? क्या छोटे सदस्य–राष्ट्र जिन पर हमला किया जाता है, उन्हें शांति प्रयासों में कूटनीतिक रूप से समर्थन दिया जाएगा और मानवीय सहायता प्रदान की? वैश्विक दक्षिण के देशों की ऐतिहासिक रूप से कमजोर लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए आलोचना की जाती रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि पश्चिम में भी लोकतंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। एक गैर–पश्चिमी निकाय के रूप में ब्रिक्स एक अधिक प्रतिनिधि वैश्विक व्यवस्था को आकार दे सकता है, इस चेतावनी के साथ कि एक न्यायपूर्ण, लोकतांत्रिक दुनिया का निर्माण सत्तावादी राज्यों या आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के साथ चुनौतीपूर्ण है। शांति और सुरक्षा ब्रिक्स के उद्देश्य हैं, फिर भी कुछ सदस्य लंबे समय से संघर्ष में हैं, जिससे कमजोर आबादी बहुत प्रभावित हुई है। मेरे सार्वजनिक टिप्पणियों और व्याख्यानों ने वर्षों से युद्ध में लैंगिक हिंसा का विश्लेषण किया है, जैसे कि अफगानिस्तान पर दशकों तक चलने वाला यूएस–रूस युद्ध, 1979 में सोवियत आक्रमण के बाद धार्मिक चरमपंथियों को हथियार देने पर अमेरिकी शीत युद्ध युग की विदेश नीतियाँ, जिसके परिणामस्वरूप तालिबान का उदय हुआ, जिसके सामाजिक–आर्थिक विकास और अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों के लिए विनाशकारी परिणाम हुए। एक और उदाहरण यह है कि सीरिया जैसे कुछ वैश्विक दक्षिण देशों में युद्ध के समय बलात्कार के वास्तविक खतरे के परिणामस्वरूप परिवार दस या बारह साल की लड़कियों की शादी कर देते हैं, जिससे क्षेत्रीय मातृ और शिशु मृत्यु दर बढ़ जाती है। विकासशील देशों द्वारा ब्रिक्स का जश्न मनाया जा रहा है, वहीं शांति और सुरक्षा बहुपक्षीय ढांचे में लिंग को मुख्यधारा में लाने के लिए महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडा ने भी हाल ही में अपनी 24वीं वर्षगांठ मनाई है। मुद्दा यह है कि विकास के आर्थिक और सामाजिक संकेतक अक्सर एक साथ बेहतर काम करते हैं। इंडो–पैसिफिक में चीनी सैन्य आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए भारत–अमेरिका सहयोग डोनाल्ड ट्रम्प के तहत जारी रहेगा, जिनकी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के अन्य दूरगामी नीतिगत परिणाम होंगे, जिसमें दो वैश्विक युद्धों में अमेरिका की भागीदारी भी शामिल है। एक लोकतांत्रिक भारत जो गैर–पश्चिमी विकास आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने के लिए ब्रिक्स को एकजुट कर सकता है और युद्धों को न्यायोचित तरीके से समाप्त करने के लिए राजनयिक, मानवीय समर्थन प्रदान करने के लिए पश्चिमी और रूस–चीन ब्लॉकों के साथ रणनीतिक संबंधों को आकर्षित कर सकता है, वह ब्रिक्स, ग्लोबल साउथ और दुनिया के लिए अग्रणी भूमिका निभाने के लिए बहुत अच्छी स्थिति में होगा।

डोनाल्ड ट्रम्प की प्रमुख प्रशासनिक नियुक्तिया

विनोद

डोनाल्ड ट्रम्प ने 5 नवंबर को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी उल्लेखनीय वापसी से दुनिया को चौंका दिया। अब, वह अपने आने वाले प्रशासन में प्रमुख पदों पर कई अपरंपरागत नियुक्तियों के साथ वाशिंगटन और सत्ता के वैश्विक गलियारों को हिला रहे हैं। उनमें से कुछ चयन एक पैटर्न का पालन करते प्रतीत होते हैं। विदेश मंत्री के लिए नामित व्यक्ति, मार्को रुबियोय रक्षा मंत्री, पीट हेगसेथय सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के प्रमुख, जॉन रैटक्लिफय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, माइकल वाल्ट्जय संयुक्त राष्ट्र की राजदूत, एलिस स्टेफनिकय और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक, तुलसी गबार्ड, सभी चीन के समर्थक हैं, जो बीजिंग को वाशिंगटन का प्राथमिक रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानते हैं, जिस पर नियंत्रण रखना चाहिए। लेकिन मि. ट्रम्प ने दुनिया के सबसे अमीर आदमी और करीबी सहयोगी एलोन मस्क को सरकारी दक्षता में सुधार करने के लिए एक निकाय का प्रमुख नियुक्त किया है जबकि इनमें से कई नियुक्तियां ईरान के प्रति सख्त रुख की वकालत करती हैं, सुश्री गबार्ड ने अतीत में तेहरान के साथ वाशिंगटन के व्यवहार में अधिक संयम की वकालत की है। उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल–असद से गुप्त रूप से मुलाकात की है, उस समय जब अमेरिकी प्रतिष्ठान ने उन्हें वास्तव में युद्ध अपराधी करार दिया था।

अधिक व्यापक रूप से, श्री ट्रम्प की टीम में श्री रुबियो जैसे व्यक्ति हैं जो पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन पार्टी के हस्तक्षेपवादी विंग के साथ जुड़े हुए हैं, जो विदेशी युद्धों सहित वैश्विक पुलिसकर्मी की भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हैं। फिर भी, सुश्री गबार्ड और विवेक रामास्वामी जैसे कुछ अन्य नियुक्तियां, जो सरकारी दक्षता विभाग का सह–नेतृत्व करेंगे, अलगाववादी हैं जो मानते हैं कि रूस के खिलाफ युद्ध के लिए अमेरिका ने यूक्रेन को बहुत अधिक हथियार और धन दिया है। इस बीच, श्री ट्रम्प के वफादार मैट गेट्ज की अटॉर्नी–जनरल के रूप में नियुक्ति ने आशंकाओं को जन्म दिया है कि नया प्रशासन उन लोगों के खिलाफ प्रतिशोध ले सकता है जिन्होंने राष्ट्रपति–चुनाव के खिलाफ कानूनी मामलों में मुकदमा चलाया था। और रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर में, श्री ट्रम्प ने एक ऐसे स्वास्थ्य सचिव को चुना है जिसने खतरनाक एंटी–वैक्सीन षड्यंत्र सिद्धांतों और छद्म विज्ञान को बढ़ावा दिया है। इन नियुक्तियों को जोड़ने वाला एकमात्र सामान्य सूत्र वह व्यवधान है जो वे लाने का वादा करते हैं। पहले ही, श्री ट्रम्प ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वह न्याय विभाग और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों में नौकरशाहों के खिलाफ एक डायन–हंट की योजना बना रहे हैं, जिन पर उन्होंने भ्रष्टाचार और उनके खिलाफ पक्षपात का आरोप लगाया है। अपनी नियुक्तियों के साथ, उन्होंने उसी सरकार पर आग लगा दी है जिसका वे नेतृत्व करेंगे। और आग लग गई है।

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना

संजय, मणिपुर में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के लिए मित्रहीन होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भाजपा सरकार से समर्थन वापस ले लिया है, जो पिछले साल कुकी पीपुल्स अलायंस के समर्थन वापस लेने के बाद एन. बीरेन सिंह सरकार के लिए दूसरा झटका है। इन घटनाक्रमों से श्री सिंह की सरकार की स्थिरता पर असर पड़ने की संभावना नहीं है।

लेकिन ये कदम प्रतीकात्मक रूप से भरपूर हैं। इन दोनों पूर्व सहयोगियों द्वारा समर्थन वापस लेने का कारण एक ही है जातीय संघर्ष जो अशांत राज्य को जलाए रख रहा है। हाल ही में इंफाल में छह मैतेई नागरिकों के अपहरण के बाद हिंसा भड़क उठी – माना जा रहा है कि ये सभी मारे गए हैं – संदिग्ध कुकी–जो उग्रवादियों द्वारा एक राहत शिविर सेय कुकी–जो संगठनों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों पर हाथापाई में 10 ग्रामीण स्वयंसेवकों की हत्या का आरोप लगाया था। हिंसा में वृद्धि ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को घाटी के छह पुलिस स्टेशनों में विवादास्पद सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम को फिर से लागू करने के लिए प्रेरित किया, एक ऐसा कदम जिसका मणिपुर में इस कानून की खूनी विरासत को देखते हुए मैतेई लोगों द्वारा विरोध किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप, श्री सिंह की सरकार ने इन पुलिस स्टेशनों से AFSPA को हटाने की अपील की है। हालांकि, कुकी–जो संगठन ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से घाटी के 13 पुलिस स्टेशनों पर ।AFSPA लागू करने का आह्वान किया है जो इसके दायरे से बाहर हैं। मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना पर केंद्र की प्रतिक्रिया शांति बहाल करने के लिए उसके विचारों की कमी को दर्शाती है। इससे भी बदतर यह है कि ऐसा प्रतीत होता है कि नरेंद्र मोदी सरकार – प्रधानमंत्री ने अभी तक राज्य का दौरा नहीं किया है – इस समस्या को कानून और व्यवस्था के मुद्दे के रूप में देखने के लिए उत्सुक है। सच्चाई इससे कहीं अधिक गहरी है। प्रतिस्पर्धी राजनीति द्वारा लगातार जातीय विभाजन को बढ़ावा दिए जाने के परिणामस्वरूप वर्षों से भूमिगत तनाव पनप रहा है। मैतेईस को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के न्यायिक निर्णय के परिणामस्वरूप कुकी–जो समुदाय द्वारा जवाबी लामबंदी की गई, जो आग लगाने वाली कहावत की चिंगारी साबित हुई। तब से, प्रशासनिक अयोग्यता और राजनीतिक चालों ने समस्याओं को और बढ़ा दिया है। प्रतिद्वंद्वी समुदायों का सैन्यीकरण, नागरिक समाज की एकजुटता में दरार, पुलिस और सेना के बीच मतभेद और सबसे बढ़कर, शांति लाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी का मतलब है कि मणिपुर जलता रहता है।

युवाओं को सशक्त बनाना – नई इंटर्नशिप योजना गेम चेंजर

ललित

भारत का नौकरी बाजार तेजी से आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति के कारण एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का उद्देश्य 21–24 वर्ष की आयु के उन लोगों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके व्यापक कौशल अंतर को पाटना है जो न तो नियोजित हैं और न ही पूर्णकालिक शिक्षा में हैं। 56 प्रतिशत से अधिक नियोक्ताओं को अगली छमाही में कार्यबल विस्तार की उम्मीद है, यह पहल सही समय पर आई है। यह अधिक तैयार, नौकरी के लिए तैयार कार्यबल बनाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, जो नवाचार और दीर्घकालिक रोजगार वृद्धि दोनों को बढ़ावा देता है। वास्तविक दुनिया का अनुभवरू नौकरी के लिए तैयार उम्मीदवारों को आकार देना शैक्षणिक योग्यता और नौकरी की तैयारी के बीच बढ़ता अंतर वर्षों से भारत के श्रम बाजार में एक प्रमुख चुनौती रही है। कई स्नातकों के पास सैद्धांतिक ज्ञान तो है लेकिन आज के तेज गति वाले उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण व्यावहारिक कौशल का अभाव है। नई इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया के कार्य वातावरण में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके इस अंतर को पाटना है। यह दृष्टिकोण उन्हें उद्योग की मांगों को पूरा करने के लिए कौशल से लैस करेगा, जिससे अधिक सक्षम और अनुकूलनीय कार्यबल तैयार होगा। केवल तकनीकी कौशल से परे, इंटर्नशिप छात्रों को समय सीमा का प्रबंधन करना, टीमों के साथ सहयोग करना और कॉर्पोरेट संस्कृति को नेविगेट करना सिखाती है। उदाहरण के लिए, ई–कॉमर्स में एक पूर्ण–स्टैक डेवलपर को न केवल कोडिंग विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, बल्कि टीम वर्क, समय प्रबंधन और ग्राहक समझ की भी आवश्यकता होती है। इंटर्नशिप उस व्यावहारिक अनुभव को प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक चरण हैं। हाल ही में टीमलीज एडटेक सर्वेक्षण के अनुसार, 72 प्रतिशत नियोक्ताओं ने 2024 में फ्रेशर्स को नियुक्त करने की योजना बनाई है, जिसमें ई–कॉमर्स, इंजीनियरिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक मांग है। इन क्षेत्रों में इंटर्नशिप से छात्रों की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे पहले दिन से ही नौकरी के लिए तैयार हैं। अन्वेषक संवारनारू समस्या–समाधानकर्ताओं की एक नई पीढ़ी तैयार करना इंटर्नशिप योजना के सबसे शक्तिशाली पहलुओं में से एक युवा पेशेवरों के बीच नवाचार को प्रोत्साहित करने की क्षमता है। तेजी से बदलते नौकरी बाजार में, आलोचनात्मक और रचनात्मक रूप से सोचने की क्षमता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम प्रशिक्षुओं को गतिशील कार्य वातावरण में रखता है जहां उन्हें पहल करने, समस्याओं को हल करने और लीक से हटकर सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है – प्रमुख गुण जो नियोक्ता आज के प्रतिस्पर्धी बाजार में तलाश रहे हैं। प्रशिक्षु अक्सर ऐसी जिम्मेदारियाँ लेते हैं जिनके लिए उन्हें निर्णय लेने, छोटी परियोजनाओं का नेतृत्व करने और अनुभवी पेशेवरों के साथ सहयोग करने की आवश्यकता होती है। यह अनुभव उनका आत्मविश्वास बढ़ाता है और उन्हें नए दृष्टिकोण के साथ चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करता है। वरिष्ठ पेशेवरों से मार्गदर्शन के साथ, प्रशिक्षु नेतृत्व गुणों में भी अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं। नतीजतन, कार्यक्रम न केवल वर्तमान नौकरियों के लिए प्रशिक्षुओं को तैयार करता है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि को आगे बढ़ाने में सक्षम समस्या–समाधानकर्ताओं की एक पीढ़ी का पोषण भी करता है। रोजगार के लिए निर्बाध परिवर्तन आजकल नियोक्ता ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता देते हैं जिनके पास न केवल शैक्षणिक योग्यता है बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी है। इंटर्नशिप छात्रों को उद्योग मानकों और अपेक्षाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करके इस अंतर को पाटती है। यह अनुभव प्रशिक्षुओं को नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देता है, जिससे अक्सर पूर्णकालिक रोजगार मिलता है। इसके अलावा, नियोक्ता अक्सर इंटर्नशिप को भविष्य में नियुक्तियों के लिए एक पाइपलाइन के रूप में देखते हैं, क्योंकि अच्छा प्रदर्शन करने वाले इंटर्न को अक्सर स्थायी पदों की पेशकश की जाती है। यह कम हो जाता हैव्यवसायों के लिए भर्ती का समय और लागत। यह इंटर्नशिप को एक जीत की स्थिति बनाता है, कंपनियों को पूर्व–प्रशिक्षित प्रतिभा और छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान करता है। छात्रों के लिए, इंटर्नशिप केवल उद्योग ज्ञान प्राप्त करने के बारे में नहीं हैय वे संचार, टीम वर्क और समस्या–समाधान जैसे सॉफ्ट कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। औपचारिक शिक्षा में अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले ये कौशल आज के तेजी से बढ़ते नौकरी बाजार में महत्वपूर्ण हैं। जैसे–जैसे भारत का रोजगार परिदृश्य विकसित हो रहा है, सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के संयोजन वाले उम्मीदवारों की आवश्यकता केवल बढ़ेगी। आगे का रास्ता नई इंटर्नशिप योजना सिर्फ एक शैक्षणिक पहल नहीं हैय यह एक व्यापक रणनीति है जिसका उद्देश्य भारत के नौकरी बाजार को बदलना है। वास्तविक दुनिया के अनुभव पर जोर देकर, नवाचार को बढ़ावा देकर और पूर्णकालिक रोजगार के लिए एक निर्बाध पुल बनाकर, कार्यक्रम उन कई चुनौतियों का समाधान करता है जो परंपरागत रूप से भारत के युवाओं की रोजगार क्षमता में बाधा उत्पन्न करती हैं। जैसे–जैसे अधिक छात्र व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे और आज के नियोक्ताओं द्वारा आवश्यक कौशल विकसित करेंगे, भारत का कार्यबल अधिक प्रतिस्पर्धी, अनुकूलनीय और अभिनव बन जाएगा। इससे न केवल व्यक्तिगत छात्रों को बल्कि नियोक्ताओं को भी लाभ होगा, जो अगले तीन वर्षों में भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के दृष्टिकोण में योगदान देगा।

डीएम डा0 दिनेश चंद्र ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र के द्वारा बुधवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एक्स रे वार्ड , इमरजेंसी वार्ड , जनरल वार्ड ,पोषण पुनर्वास केंद्र आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल में बनाए गए रैन बसेरा बंद मिला, जिसे तुरंत क्रियाशील किए जाने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए। जिला अस्पताल परिसर और शौचालय में गंदगी पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल साफ–सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाने के निर्देश सीएमएस को दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वार्डों में बेड शीट नियमित रूप से बदले जाएं इसके साथ ही मरीजों को कंबल उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने भर्ती मरीजों से आज दिए गए नाश्ता और खाने के संबंध में जानकारी ली और निर्देशित किया । कि रोस्टर के अनुसार मरीजों को नाश्ता और खाना उपलब्ध कराया जाए। इमरजेंसी वार्ड में भर्ती महेंद्र प्रताप गौड़ के प्रकरण में पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया कि एफआईआर दर्ज कराते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाए।

इस दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल में आए हुए कलावती सोनकर, पूजा धर्मा देवी आदि से अस्पताल में इलाज और दवाओं की उपलब्धता के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि बाहर से दवाए न लिखी जाए। पोषण पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के दौरान स्टाफ नर्स से भर्ती मरीजों को दिए जाने वाले सुविधाओं जैसे पौष्टिक नाश्ता, खाना आदि के संबंध में जानकारी ली और वार्ड नंबर 2 में 05 बेड खाली मिले जिसे भरे जाने के लिए निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति लगाए पौधा – क्रांति सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पर्यावरण बैंक वृक्ष लगाए वृक्ष बचाए अभियान के तहत बुधवार को मां शारदा इंटरमीडिएट बालिका विद्यालय खानापट्टी व प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर परिसर में बृहद पौधे लगाकर पर्यावरण तीर्थ यात्रा का शुभारंभ जिले में किया गया।

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष व उक्त विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमित सिंह व प्रधानाचार्य शरद कुमार सिंह के साथ ही अभियान के संयोजक क्रांति सिंह के नेतृत्व में छात्रों ने दोनो ही विद्यालय परिसर में छायादार व फलदार पौधा लगाकर अभियान को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। अमित सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पौधों को लगाए साथ ही बचाए भी। क्रांति सिंह ने कहा कि वातावरण स्वच्छ होगा तभी हम सब स्वस्थ्य रहेंगे। ऐसी हमसब को मिलजुलकर अधिक से अधिक पौधा लगाकर अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संसाधनों की सौगात देनी होगी। शरद सिंह ने कहा कि धरती पर पौधों की संख्या बढ़ाकर ही हम पर्यावरण प्रदूषण को कम कर सकते है।

अभियान में अजय कुमार मौर्या, सत्य प्रकाश सिंह, दिलीप सिंह, सुशील सिंह, कार्तिकेय प्रजापति, राहुल यादव, दिनेश यादव, मंजू जैसवार, श्याम धर नेहा जायसवाल, आराधना उपाध्याय, गजाला बानो, मनोज कुमार तथा विद्यालय परिवार के अन्य शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

डेंगू गंभीर व जानलेवा बीमारी, हल्के मे न ले लोग - डा. पवन पाण्डेय

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। डेंगू एक खतरनाक व जानलेवा बीमारी है। इसलिए इससे पीड़ित रोगी लापरवाही न बरतकर अपने आसपास स्थित चिकित्सकों के पास जाकर अपना इलाज कराये।यह बातें नाका स्थित जानकी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक व चिकित्सक डॉ पवन पांडे ने कही।उन्होंने बताया कि डेंगू एक संक्रामक बीमारी है जो एडीज मच्छर से फैलता है।देखा जाये तो डेंगू का असर दो से सात दिन तक रहता ही रहता है इसके अलावा 15 दिनों तक इसके लक्षण दिखाई देते हैं। इस बीमारी में डेंगू से पीड़ित रोगियों को तेज

बुखार,रक्तस्राव, आंखों के पीछे दर्द,घुटनो व मांसपेशियों में दर्द होती है। इसके अलावा इस रोग से पीड़ित रोगियों में थकान,उल्टी, जी मिचलाना, दस्त, त्वचा पर लाल चकत्ते भी देखे जा सकते हैं। जो डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं।उन्होंने बताया कि इस बीमारी को गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि यह एक जानलेवा बीमारी भी है।डेंगू से पीड़ित रोगियों को नारियल का पानी,पत्तेदार हरी सब्जियाँ, साग, प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ का प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। इसके अलावा पानी का सेवन, सलाद, कीवी, टमाटर, अनार आदि का सेवन पर्याप्त मात्रा में करना चाहिए। डेंगू जैसे गंभीर बीमारी से बचने के लिए उन्होंने बताया कि हमेशा सभी लोग फुल आस्तीन का कपड़ा पहने,अपने मकानों के आसपास गंदा पानी न इकट्ठा होने दें। गमलों व अन्य बर्तनों में रखें पानी को प्रतिदिन बदलें। हमेशा मच्छरदानी का प्रयोग करें।

तीन दिवसीय मालिक्यूलर बायोलॉजी टेकनिक पर कार्यशाला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पी जी कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला "हैण्ड ऑन ट्रेनिंग ऑन करंट सिनेरियो ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी टेकनिक" के आयोजन का शुभारम्भ हुआ। कार्यशाला के उदघाटन सत्र में इकोहेल्थ बायोसाइंस इंडस्ट्रीज, लखनऊ से आये ट्रेनर और साइंटिस्ट डॉ० कौशलेश यादव ने आज के विकाशील भारत के बढ़ते हुए कदम में बायोटेक्नोलॉजी और उसके विभिन्न उपयोगिता के बारे में छात्रों से विस्तार रूप से अपने विचार रखे। उन्होंने इस तीन दिवसीय कार्यशाला में होने वाले सभी प्रैक्टिकल और उसके उपयोगिता के बारे में विस्तृत रूप से छात्रों को समझाते हुए आरटी पीसीआर को कैसे उपयोग करते हए रिजल्ट का देखते है, उसके बारे में भी चर्चा किया।

लखनऊ से आये ट्रेनर डॉ जमाल सिद्दिकी ने कार्यशाला में आयोजित सेशन में मिट्टी से पैथोजेनिक बैक्टीरिया का आइसोलेशन, उनके ग्रोथ और कॉलोनी के काउंटिंग के बारे में विस्तृत से बताया। उन्होंने ने बताया कि छात्र इस कार्यशाला में खून की जांच कैसे की जाती है इसको भी सीखेंगे। कार्यशाला के कन्वेनर डॉ० अभिषेक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विभाग समय समय पर ऐसे कार्यशाला का आयोजन करता रहता है, जिससे छात्र बाहर से आये हुए वैज्ञानिको से मिलकर उनके अनुभवों से कुछ सींख सके ताकि पढाई खत्म होने के उपरान्त नौकरी मिलने में सहायक हो। ओर्गानिजिंग सेक्रेटरी डॉ० अभय कुमार गुप्ता ने सभी छात्रों को तल्लीनता से कार्यशाला में आयोजित सभी प्रैक्टिकल एवं लेक्चर को मन लगाकर सिखने को कहा। कार्यक्रम में हिमाद्री मौर्या सहायक ओर्गानिजिंग सेक्रेटरी, राम निवास, राज बहादुर आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

घर में घुसा 14 फीट का अजगर, 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ा गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के भन्नौर गांव में मंगलवार देर रात एक बड़ा अजगर देखकर गांव में हड़कंप मच गया। गांव के गणेश विद्यापीठ इंटर कॉलेज के प्रबंधक विनय कुमार सिंह के घर की बाउंड्री वॉल पर यह विशाल अजगर लेटा हुआ था। रात करीब 9रू15 बजे घर के एक सदस्य ने टॉर्च की रोशनी में इसे देखा और घर के अन्य सदस्यों को बुलाया। अजगर को देखकर सभी हैरान रह गए और तत्काल वन विभाग और 112 नंबर पुलिस को सूचना दी गई।

रेस्क्यू टीम ने बताया कि अजगर को पकड़ना आसान नहीं था। इसकी लंबाई लगभग 14 फीट और वजन 80 किलोग्राम था। टीम ने सुरक्षा उपकरणों जैसे सेफ्टी ग्लव्स, सेफ्टी शूज और सेफ्टी स्टिक का उपयोग किया। इसके अलावा, लंबी बांस की मदद से अजगर को बाउंड्री से नीचे उतारा गया। जैसे ही अजगर जमीन पर उतरा, वह तेजी से इधर–उधर भागने लगा। इसे नियंत्रित करने के लिए जूट के बोरे और मच्छरदानी का सहारा लिया गया और अंततः एक बड़े ड्रम में बंद किया गया। गांव के लोगों ने भी इस रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की।

वनरक्षक रवि यादव ने बताया कि अजगर को पूरी सुरक्षा के साथ वन विभाग की देखरेख में रखा गया है। इसे उचित स्थान पर छोड़ने के लिए उच्च अधिकारियों से आदेश का इंतजार किया जा रहा है।

भारी–भरकम अजगर और इसे पकड़ने का दृश्य गांव में चर्चा का विषय बन गया है। ग्रामीणों ने पहली बार इतने बड़े अजगर को देखा और वन विभाग की तत्परता की सराहना की।रेस्क्यू टीम में वनरक्षक रवि यादव, धीरज यादव, और बच्चू लाल गौतम शामिल थे।

छात्रों को स्किल्ड बनाने पर है जोर – प्रो0 जेपी पांडेय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय अपने छात्रों को अधिक से अधिक रोजगार मुहैया कराने के लिए प्रयास कर रहा है। इसके लिए शासन स्तर पर विभिन्न कंपनियों के साथ हुए एमओयू के तहत उनके स्किल कोर्स छात्रों को कराने पर ज्यादा से ज्यादा जोर दिया जा रहा है। माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में मंगलवार को विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों और विश्वविद्यालय से संबद्ध सरकारी संस्थानों के निदेशकों व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर के साथ बैठक हुई। बैठक में तकनीकी शिक्षा के छात्रों को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने पर चर्चा हुई। जिससे कि छात्र पढ़ाई के साथ ही अतिरिक्त क्रेडिट के कोर्स कर स्किल्ड हो सकें। कंपनियां छात्रों के लिए नई उभरती तकनीकी के वर्चुअल इंटर्नशिप कोर्स करा रही हैं। जिसमें बिजनेस एनालिटिक्स, फुल स्टॉक डेवलपमेंट मेम, मशीन लर्निंग, जेनेरेटिव एआई सहित अन्य कोर्स हैं। माननीय कुलपति महोदय ने सभी निदेशकों से इन कोर्स में ज्यादा से ज्यादा छात्रों के पंजीकरण कराने निर्देश दिया। जिससे कि छात्र इन कोर्स को कर कैंपस प्लेसमेंट पा सकें। उन्होंने एमओयू के तहत कंपनियों के संचालित इंटर्नशिप कोर्स को बीटेक छात्रों के अनिवार्य प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप के साथ में जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा छात्र जब स्किल्ड होंगे तब उन्हें रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। जिससे उभरती अर्थव्यवस्था में एकेटीयू के छात्र अपना योगदान दे सकते। बैठक में कुलसचिव डीन ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रो0 नीलम श्रीवास्तव, प्रो0 अरूण कुमार तिवारी, डॉ अनुज कुमार शर्मा, प्रतिभा शुक्ला सहित कॉग्नवी एवं स्मार्टब्रिज के प्रतिनिधियों ने भी प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी ने किसानों के साथ किया बैठक, समस्याओं के निस्तारण हेतु अधिकारीओ को दिया निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याओं को सुनते हुए और उनके प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में पशुओं के वैक्सीनध्टीकाकरण शत प्रतिशत किया जाना सुनिश्चित करें। बरसीम के बीज वितरण न होने पर नाराजगी व्यक्त करते मुख्य चिकित्साधिकारी को बरसीम के बीज मा0 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वितरण कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ए आर कॉपरेटिव और जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद में खाद एवं उर्वरक की समस्या न होने पाए। एक्स ई एन सिंचाई को निर्देशित किया कि नहरों की सफाई गुणवत्ता पूर्ण की जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्लास्टिक का प्रयोग करना बंद करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की शिकायतों के निस्तारण के प्रति शासन अत्यंत गंभीर है। और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को पात्रता के अनुसार लाभ प्रदान किया जाए, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। बैठक के दौरान किसानों को तकनीकी आधारित खेती करने हेतु निर्देश दिया गया। उन्होंने उप निदेशक कृषि और जिला उद्यान अधिकारी को बीज और तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, उप निदेशक कृषि हिमांशु पांडे, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, ए आर कॉपरेटिव , डिप्टी पीडी आत्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने पेंशनरों की समस्यायों का समाधान कराने का आश्वासन दिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विद्युत पेंशनर्स परिषद उत्तर प्रदेश का ३६वां वार्षिक अधिवेशन पूर्ण भब्यता के साथ सम्पन्न, सम्मेलन का उद्घाटन डा. आशीष कुमार गोयल आई ए एस अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड एवं अन्य सहयोगी ऊर्जा निगम द्वारा किया गया, प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड पंकज कुमार आई ए एस भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रह कर सम्मेलन के सहभागियों का मान वर्धन किया,पीयूष गर्ग निदेशक ट्रान्समिसन तथा योगेश कुमार निदेशक वाणिज्य मध्यांचल विद्युत वितरण निगम भी सम्मेलन में अपना योगदान दिया। मुख्य अतिथि ने पेंशनरों की समस्यायों का समाधान कराने का आश्वासन दिया।

कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के लिए महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरुकता हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस अधीक्षक हरदोई के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कर महिलाओं की समस्याओं का किया जा रहा निस्तारण । महिलाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर किया जा रहा सशक्त। सभी का उद्देश्य जनकल्याण व मानव समाज की सेवा करना शासन प्रसासन महिलाओं की सुरक्षा सम्मान व उनके उत्थान व सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध है। मिशन शक्ति–05ष उ0प्र0 शासन के आदेशानुसार महिला सशक्तिकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज–05 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक जनपद हरदोई के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा बालिकाओं–छात्राओं एवं महिलाओं के साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम एवं अभियान को

सफल बनाए जाने हेतु गांव–गांव/मौहल्ला/शिक्षण संस्थानों इत्यादि स्थानों पर चौपाल लगाकर छात्राओं/बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु चलाये जा रहे मिशन नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत सुरक्षा जागरूकता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां, जैसे विभिन्न हेल्पलाइन नंबर, महिला हेल्प डेस्क, एंटी रोमियों स्क्वायड, बाल श्रम उन्मूलन, शक्ति दीदी, यूपी–112, वूमेन पावर लाइन–1090 व आत्मरक्षा संबंधी टिप्स एवं कल्याणकारी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन राष्ट्रीय पोषण मिशन, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मात्र वन्दना योजना आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देकर जागरूक किया गया।

विश्व शौचालय दिवस पर निकली शौचालय जागरूकता रैली

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को ब्लाक मुख्यालय मवई पर विश्व शौचालय दिवस का आयोजन किया गया।19 दिसम्बर को शुरू किए गए यह कार्यक्रम दस दिसंबर तक चलेगा।इस सम्बन्ध में एक शौचालय जागरूकता रैली निकाली गई।रैली मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः ब्लाक पहुंच कर समाप्त हो गई।जागरूकता रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी भावना यादव ने बताया कि रैली के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाई जा रही है।वही सहायक विकास अधिकारी पंचायत अनुपम शर्मा ने कहा कि रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया है कि अधिक से अधिक शौचालय बनवाएं और शौचालय का प्रयोग करें।ताकि हमारा गांव हमारा देश,हमारा समाज स्वच्छता से परिपूर्ण हो। रैली में ब्लाक कोऑर्डिनेटर जितेंद्र तिवारी,राजकीय बीज भंडार मवई के प्रभारी उमाशंकर वर्मा,अंजनी यादव,राम सूरत यादव,सी ई धर्मेंद्र यादव,संदीप यादव,ग्राम प्रधान राम बरन,पंचायत सचिव रवि कुमार,राजन कुमार आदि शामिल थे।

लड़की ने भाई के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या कर दी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) आमतौर पर आपने प्रेम प्रसंग में किसी प्रेमी द्वारा प्रेमिका की हत्या कर देने का मामला सुना होगा लेकिन हरदोई जिले से एक खौफनाक घटना सामने आई है, जिसमें एक लड़की ने भाई के साथ मिलकर अपने प्रेमी की हत्या कर दी। पुलिस ने घटना में शामिल आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार प्रेमी द्वारा प्रेमिका की कुछ फोटो–वीडियो वायरल करने की धमकी देने पर प्रेमिका ने यह कदम उठाया। मंगलवार को सुरेश चन्द्र पुत्र गंगाविष्णु निवासी ग्राम गौटिया थाना मंझिला हरदोई ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया था कि उसका पौत्र अमित पुत्र प्रदीप कुमार निवासी ग्राम गौटिया थाना मंझिला जनपद हरदोई 10 नवंबर को घर से गायब हो गया।

इस मामले को लेकर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की थी। इस बीच पुलिस द्वारा की जांच के दौरान सोमवार को थाना मझिला क्षेत्रान्तर्गत गांव एलिमपुर के निकट गन्ने के खेत में अमित पुत्र प्रदीप कुमार का शव मिला। जिसके बाद रमनपाल पुत्र रामसेवक निवासी ग्राम केशरी पुरवा थाना मंझिला जनपद हरदोई, पिंकी पुत्री रामसेवक निवासी ग्राम केशरी पुरवा थाना मंझिला जनपद हरदोई और जागेश पाल पुत्र श्रीपाल निवासी ग्राम एलिमपुर थाना मंझिला जनपद हरदोई के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। स्थानीय पुलिस व फील्ड यूनिट टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा नियमानुसार पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण कर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेजा गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों जागेश पाल पुत्र श्रीपाल निवासी ग्राम एलिमपुर थाना मंझिला जनपद हरदोई, पिंकी पुत्री रामसेवक निवासी ग्राम केशरी पुरवा थाना मंझिला जनपद हरदोई और रमनपाल पुत्र राम सेवक निवासी ग्राम केशरी पुरवा थाना मंझिला जनपद हरदोई को गिरफ्तार कर लिया।

तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ बदमाश गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र कस्बे में पुलिस ने मंगलवार की देर रात को एक बदमाश को एक तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। बदमाश का चालान भेज दिया गया। मुखबिर से मिली सूचना पर थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव चौकी प्रभारी तथा हमराहियों के साथ कस्बे में मौजूद थे। उसी समय एक व्यक्ति दिखाई पड़ा। पुलिस ने उसे रोका तो वह भागने लगा। पुलिस के कन्स्टेबलो ने दौड़ा कर उसे पकड़ लिया। उसकी तलाशी एक तमंचा तथा एक जिंदा कारतूस मिला।पुलिस ने जब उससे कड़ाई से पूछताछ किया तब उसने अपना नाम मनीष यादव उर्फ बंगाली यादव उर्फ मंगल यादव उर्फ अभिषेक यादव पुत्र सुबाष यादव निवासी भवनाथपुर थाना बरदह जनपद आजमगढ़ बताया।जब पुलिस ने बरदह पुलिस से जानकारी लिया तो पता चला कि बरदह थाने में भी मनीष यादव पर दो गम्भीर धाराओं के मुकदमे दर्ज है। थानाप्रभारी ने बताया कि बदमाश का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

देश के महामहिम राष्ट्रपति सहित यशस्वी प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय युवा वाहिनी संगठन करेगा दस सूत्रीय मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। देश भर में हिंदुत्व का परचम लहराने वाले संगठन राष्ट्रीय युवा वाहिनी के पदाधिकारियों के द्वारा भारत के महामहिम राष्ट्रपति सहित देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी एवं गृहमंत्री माननीय अमित शाह जी से निम्न माँगो को लेकर अग्रणी भूमिका निभाएगा। (1) भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाए। (2) भारत के मन्दिरों को टेक्स से मुक्त किया जाए, साथ ही मन्दिरों को साधु – संतों के अधीन किया जाए। (3) भारत में सनातन बोर्ड का गठन किया जाए। (4) गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाए। (5) मन्दिर एवं आश्रम के पुजारी तथा महतों को 25 हजार रुपया प्रतिमाह मानदेय के रूप मे दिया जाय। (6) भारत के साधु–संतों को सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई जाए। (7) भारत के सभी आश्रम में गुरुकुल संचालित करने के लिए

शासकीय जमीन उपलब्ध कराकर आर्थिक सहायता दी जाए। (8) भारत के सभी आश्रमो में गौशाला संचालित करने हेतु शासकीय जमीन उपलब्ध कराते हुवे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। (9) भारत से कत्ल खाने पूर्ण रूप से बन्द किया जाए। (10) भारत में साधु– संतों को ट्रेन या बस से यात्रा करने के लिए निशुल्क यात्रा पास जारी किया जाए। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा अपनी निम्न सनातन रक्षक माँगो को लेकर राष्ट्रीय युवा वाहिनी के सभी पदाधिकारी अपने– अपने क्षेत्र से महामहिम राष्ट्रपति जी, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी एवं देश के गृहमंत्री जी के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौपकर माँग करें।

जनेश्वर मिश्र पार्क में अब से बोटिंग का भी लुत्फ उठा सकेंगे पर्यटक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में घूमने आने वाले लोग अब बोटिंग का भी आनंद उठा सकेंगे। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मंगलवार को फ्लोटिंग डेक पर फीता काटकर बोटिंग सेवा का शुभारंभ किया। इस मौके पर सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, मुख्य अभियन्ता अवनीन्द्र कुमार सिंह, वित्त नियंत्रक दीपक सिंह, मुख्य नगर नियोजक के0के0 गौतम एवं उद्यान अधिकारी शशि भारती समेत अन्य अधिकारी व अभियंता गण उपस्थित रहे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जनेश्वर मिश्र पार्क में लोग लंबे समय से बोटिंग सेवा शुरू करने की मांग कर रहे थे। इसे ध्यान में रखते हुए पार्क में बोटिंग सुविधा की शुरुआत करा दी गई है। जिसके लिए गेट नंबर–6 के पास राष्ट्र ध्वज के पीछे वॉटर बॉडी में फ्लोटिंग डेक बनाया गया है। जहां से 40 पैडल बोट व 10 बैटरी चलित बोट्स का संचालन किया जाएगा। वर्तमान में 12 बोट संचालित कराई गयी हैं। शेष 38 बोट्स जल्द ही बेड़े में शामिल करा दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि पैडल व बैटरी चलित बोट में एक बार में चार लोग बोटिंग कर सकते हैं। बोट के लिए प्रति व्यक्ति 50 रुपये टिकट लगेगा, जिसमें 20 मिनट तक बोटिंग करने का समय मिलेगा। बोट्स का संचालन व अनुरक्षण श्टाइगर टीम स्पीडश कंपनी द्वारा किया जाएगा। जिसके लिए कंपनी ने एलडीए से 5 वर्ष का अनुबंध किया है। उपाध्यक्ष ने बताया कि बोटिंग सेवा में लोगों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इसके तहत बोटिंग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सेवा प्रदाता कंपनी के ऑपरेटर द्वारा लाइफ जैकेट उपलब्ध कराई जाएगी, जिसे पहनना अनिवार्य होगा।

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की चार बेनामी संपत्तियों को आयकर विभाग ने किया जब्त

लखनऊ, संवाददाता। सपा सरकार में खनन मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति की राजधानी स्थित चार बेनामी संपत्तियों को आयकर विभाग ने मंगलवार को जब्त कर लिया। ये संपत्तियां गोमतीनगर के खरगापुर, आशियाना और मोहनलालगंज इलाके में गायत्री ने अपने करीबियों के नाम पर खरीदी थीं। आयकर विभाग की बेनामी संपत्ति निषेध इकाई ने कुछ दिन पहले इन संपत्तियों की खरीद–फरोख्त पर रोक लगा दी थी। आयकर विभाग की बेनामी निषेध इकाई के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को चारों संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की है। ये संपत्तियां वर्ष 2018 और 2019 में गायत्री के जेल में रहने के दौरान खरीदी गई थीं। इनकी वर्तमान बाजार कीमत 10 करोड़ रुपये से अधिक है। इनमें खरगापुर में करीब 3000 वर्ग फीट का भूखंड, मोहनलालगंज के पुरसेनी मे 2000 वर्ग फीट और 1014 वर्ग फीट का मकान तथा कानपुर रोड स्थित आशियाना कॉलोनी के सेक्टर के स्थित करीब 2500 वर्ग फीट का मकान शामिल है। खरगापुर में भूखंड जब्त करने की कार्रवाई के दौरान एक भाजपा नेता ने मौके पर आकर हंगामा किया। उसने भूखंड को खरीदने का दावा किया। हालांकि टीम ने सख्त रुख अपनाते हुए जब्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। आयकर विभाग इन संपत्तियों को जब्त करने की जानकारी जल्द हाईकोर्ट को देगा।

कई शहरों में खरीदी संपत्तियां

बता दें कि गायत्री प्रजापति ने खनन घोटाले की काली कमाई से कई शहरों में बेनामी संपत्तियां खरीदी थीं।

अधिकतर संपत्तियों को 5 फर्जी कंपनियों के जरिए खरीदा गया था। गायत्री के जेल जाने के बाद इनमें से तमाम संपत्तियों को राजनेताओं द्वारा खरीदे जाने के सुराग भी आयकर विभाग के हाथ लगे हैं। वहीं दूसरी ओर गायत्री प्रजापति की 50 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की संपत्तियों को ईडी अब तक जब्त कर चुका है।

2027 तक एक भी गांव या घर बिना नल कनेक्शन के नहीं होगा - जलशक्ति मंत्री

लखनऊ, संवाददाता। गांव के हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और एजेंसियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को सम्मानित किया। जल जीवन मिशन द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आह्वान किया कि 'आप सबको गांव के हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाना है। जिससे 2027 के विधानसभा चुनावों में जल जीवन मिशन के बदौलत हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के के नेतृत्व में चुनाव लड़ सकें। 2027 में तक प्रदेश का एक भी गांव या घर बिना नल कनेक्शन के न रहे। गांव के लोग नल कनेक्शन पहुंचने पर एकतरफा मुहर लगाकर दोबारा भाजपा की सरकार बनाने का काम करें। ये मेरा सपना है और इस सपने को आप सभी को पूरा करना

है। कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, अपर मुख्य सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव, राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी, ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के एमडी डॉ. राजशेखर, अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में प्रदेश भर से आए अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि 2022 में जब उन्हें विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई, तो उत्तर प्रदेश रैंकिंग निचले स्तर पर था। मगर अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता के चलते आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक नल कनेक्शन देने वाला राज्य बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश नल कनेक्शन देने में टॉप स्थान पर है।

जलशक्ति मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन की पूरी टीम ने एक परिवार की तरह काम करते हुए प्रदेश के 2 करोड़ 26 लाख से अधिक घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाया है। अब तक 86 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है। जल्द ही इस आंकड़े को 100 प्रतिशत पहुंचाया के लक्ष्य की तरफ काम करना होगा। कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि पहले बुंदेलखंड में ट्रेन से पानी आता था। अब हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाकर पानी की सप्लाई हो रही है। जिससे स्थानीय लोगों के जीवन में सुधार हुआ है। कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने जल जीवन मिशन में यूपी की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि सबसे अधिक कनेक्शन देने के साथ–साथ उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे कम लागत पर घर–घर नल कनेक्शन पहुंचाने वाला राज्य है। इतना ही नहीं प्रदेश की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पर आधारित हैं। ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के एमडी डॉ राजशेखर ने कहा कि कनेक्शन देने के साथ–साथ परियोजनाओं को सोलर आधारित करने से हर साल बिजली बिल में करोड़ों रूपये की बचत होगी।

शेयर और फर्जी कस्टमर केयर कर्मी बनकर 59 लाख लिए ऐंठे

लखनऊ, संवाददाता। किसी को शेयर में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर तो कहीं फर्जी कस्टमर केयर का कर्मचारी बनकर जालसाजों ने तीन लोगों से करीब 59 लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ितों ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मानकनगर के श्रीनगर निवासी विनय कुमार के मुताबिक कुछ दिन पहले उनके पास व्हाट्सएप कॉल आई थी। जालसाज ने स्टॉक ट्रेडिंग में निवेश पर मुनाफे का लालच देकर जिरोधा स्टडी ग्रुप में जोड़ लिया। एप के जरिये नौ से 28 अक्तूबर के बीच कई खातों में 25 लाख रुपये निवेश कराए। मुनाफे की रकम निकालनी चाही तो ठगों ने उन्हें ग्रुप से निकाल दिया। सुशांत गोल्फ सिटी के सेलिब्रिटी ग्रीन अपार्टमेंट में रहने वाले सैकत दत्ता ने बताया कि उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप ध्रुव इन्वेस्टमेंट सर्किल वीआईपी में जोड़ा गया था। मुनाफे के झांसे में आकर उन्होंने 23 लाख रुपये निवेश कर दिए। राजाजीपुरम के ए–ब्लॉक निवासी नौशाद अहमद खान ने एक नवंबर को गैस गीजर सही कराने के लिए गूगल से कस्टमर केयर का नंबर खोजा था। संपर्क करने पर ठग ने उन्हें दो रुपये ट्रांसफर करने को कहा। ऑनलाइन भुगतान में असमर्थता जताने पर जालसाज ने झांसे में लेते हुए भुगतान का तरीका बताया। उनके खाते से 99 हजार रुपये कट गए। अधिक ट्रांजेक्शन होने पर ठग ने नौशाद को रकम वापस करने के लिए वीडियो कॉल की। इसके बाद स्क्रीन शेयर कर खाते से 10 लाख और निकाल लिए।

उप मुख्यमंत्री ने मेधावी छात्राओं को किया पुरस्कृत

लखनऊ, संवाददाता। कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज (केडीजीसी) में मंगलवार को प्रतिभा सम्मान समारोह 'प्रज्ञान 2.0' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने महाविद्यालय की मेधावी छात्राओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह कॉलेज 50 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को पूरा करने वाला संस्थान है। यहां की पढ़ी छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं, जो गौरव की बात है। उन्होंने कॉलेज में प्राचार्य और प्रबंधक द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक कार्यों की सराहना की। कॉलेज को अपने स्तर पर आर्थिक मदद देने का एलान भी किया। समारोह में शिक्षाशास्त्र विभाग की छात्रा आकृति शुक्ला को विभाग स्तर पर सर्वाधिक

अंक प्राप्त करने पर मंजुला शुक्ला स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बीए प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर क्रमशः मधुलिका दीक्षित, संगीता कनौजिया और आकृति शुक्ला को प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. सारिका दुबे, प्रबंधक केसी गुप्ता, बीजेपी महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, कॉलेज के शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

ट्रक की स्कूटी टक्कर से शिक्षिका समेत दो की मौत,एक की हालत नाजुक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। ट्रक की टक्कर से अलग–अलग सड़क हादसे में शिक्षिका समेत दो की मौत एक गंभीर रुप से घायल हो गया। कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकाली पुलिस चौकी चौकी के कृष्णा नगर मे किराये के मकान पर रह रही शिक्षिका व बस्ती जिले के छावनी थाना क्षेत्र के खेमराजपुर गांव निवासी पंकज सिंह की पत्नी सविता सिंह की सड़क हादसे मे मौत हो गई।मंगलवार सुबह करीब नौ बजे अपनी स्कूटी से गोंडा के नवाबगंज स्थित जफरापुर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय आ रही थीं।महेशपुर गांव के पास फोरलेन सरयू पुल पर पीछे से तेज रफ्तार ट्रक चालक ने ओवरटेक करने के चक्कर में टक्कर मार दी। इसके बाद स्कूटी सवार शिक्षिका बीच रोड पर गिर गईं। वहीं सिर पर गंभीर चोटें लगने से वहां करीब आधे घंटे तक तड़पती रहीं। सूचना पर आई पुलिस उन्हें इलाज के लिए अयोध्या मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत

घोषित कर दिया।नवाबगंज के प्रभारी निरीक्षक निर्भयनरायन सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि अध्यापिका ने सिर में हेलमेट पहन रखा था, वह हादसे में टूट गया। सिर में अत्याधिक चोट व रक्तस्राव से उनकी जान चली गई। ट्रक को कब्जे में लिया गया है और आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। मनकापुर–रेहराबाजार मार्ग पर बनकसिया मोड़ के पास सोमवार रात एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। बाइक सवार धानेपुर बाजार निवासी शुभम गुप्ता (24) व रवि पटवा (33) गंभीर रूप से घायल हो गए।राहगीरों की सूचना पर आई पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर ले गई, जहां डॉक्टरों ने शुभम को मृत घोषित कर दिया।दूसरे घायल युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। परिजनों के मुताबिक, रात करीब 11 बजे अयोध्या से वापस लौट रहे थे। दतौली चौकी प्रभारी सतेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही छानबीन की जा रही है। परिजनों ने बताया कि शिक्षिका सविता सिंह अपने पति पंकज कुमार सिंह के साथ अयोध्या में रहती थीं।पंकज बाल्मीकि इंटर कालेज विक्रमजोत बस्ती में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। मृत शिक्षिका के एक पुत्र व एक पुत्री है।आगामी 24 नवंबर को बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं।

किसी भी तरह की नौकरी को तैयार बेरोजगार युवा

लखनऊ, संवाददाता। लालबाग स्थित क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में मंगलवार को हुए रोजगार मेले में ऐसे भी बेरोजगार पहुंचे, जिनके पास डिग्रियां तो बहुत थीं लेकिन, एक नौकरी की आस में उनकी आर्थिक स्थिति दिन–ब–दिन खराब होती जा रही है। ऐसे युवा किसी भी तरह की नौकरी करने को तैयार हैं। सरोजनीनगर की 35 वर्षीय कल्पना यादव (बदला हुआ नाम) अपने दो बच्चों के साथ रोजगार मेले में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि वे परास्नातक हैं लेकिन कहीं नौकरी नहीं मिल रही है। सरकारी नौकरी की भी कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। शहर में एक व्यक्ति की कमाई से परिवार चलाना मुश्किल है। मैं किसी भी प्राइवेट संस्थान में कोई भी नौकरी करने के लिए तैयार हूं। उदयगंज के नीरज कुमार ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं है। घर में एक व्यक्ति कमाने वाला, उससे घर नहीं चल पा रहा है। यहां अलग–अलग कंपनियों में सीवी दिया है। दो से चार दिनों में फोन पर जानकारी देने के लिए कहा गया है। इसी तरह सोनी कुमारी ने बताया कि दो साल पहले स्नातक की पढ़ाई पूरी हुई लेकिन, अभी तक कहीं जॉब नहीं मिली है। सम्मान के लिए प्राइवेट कंपनियों में कोई भी जॉब करने के लिए तैयार हूं।

छह कंपनियों में 87 युवाओं को नौकरी का प्रस्ताव

क्षेत्रीय सेवायोजन के सहायक निदेशक सूर्यकांत कुमार ने बताया कि मंगलवार को रोजगार मेले में छह कंपनियां शामिल हुईं। यहां एसआईएस, पेटीएम, वीविंग सहित अन्य कंपनियों में युवाओं को रोजगार मिला। अलग–अलग कंपनियों में सुरक्षा गार्ड, फ्रेशर, कस्टमर सपोर्ट एजेंट, ट्रेनी व अन्य पदों पर 87 युवाओं को जॉब ऑफर किया गया।

चुनाव आयोग ने किया स्पष्ट, मतदाता की पहचान करना पुलिस का काम नहीं

लखनऊ, संवाददाता। मतदान के दिन मतदाताओं के पहचान का काम पुलिस कर्मी नहीं कर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर ने उपचुनाव से संबंधित सभी पुलिस आयुक्तों व अधीक्षकों और जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीएम) को जरूरी निर्देश जारी कर दिए हैं। आयोग की ओर से अधिकारियों को जारी पत्र में कहा गया है कि समाजवादी पार्टी ने मतदाताओं की पहचान पुलिस बल द्वारा न किए जाने के संबंध में अनुरोध किया है। इस संबंध में अवगत कराना है कि मतदान के दिन मतदाताओं की पहचान पीठासीन अधिकारी और उनकी टीम ही करती है। मतदाताओं की पहचान पुलिस बल नहीं करता है। पुलिस बल का मुख्य उद्देश्य मतदान के दिन शांति–व्यवस्था स्थापित किया जाना है। आयोग ने इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बूथ पर किसी तरह की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। इसी तरह से हैंडबुक फॉर रिटर्निंग ऑफिसर–2023 में महिला व पर्दानशीं मतदाताओं की पहचान के संबंध में प्रावधान दिए गए हैं, उनका भी पालन सुनिश्चित किया जाए।

सपा ने छह पन्नों की लिखी थी चिट्ठी

समाजवादी पार्टी ने छह पन्नों की एक चिट्ठी लिखकर चुनाव आयोग से कहा था कि उत्तर प्रदेश में मतदान के दिन यानि 20 नवंबर को पुलिस को मतदाताओं यानि वोटरों के आई कार्ड जांचने की अनुमति न दी जाए। समाजवादी पार्टी ने इस चिट्ठी में आरोप लगाया है कि आई कार्ड जांचने के बहाने पुलिस सपा समर्थक मतदाताओं को प्रभावित करने का काम कर रही है। सपा ने लिखा कि लोकसभा चुनाव के दौरान इसी तर्ज पर पुलिस ने मुस्लिम महिला मतदाताओं की पहचान के नाम पर नकाब हटवाए थे। करहल में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायत भी समाजवादी पार्टी ने की है।

लखनऊ में बनेगी देश की पहली नाइट सफारी, अब 900 एकड़ में होगा विस्तार

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी व प्रदेश वासियों को देश की पहली और विश्व की पांचवीं नाइट सफारी का उपहार मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदिन्यनाथ ने इसकी आधारिक घोषणा कर दी है। सीएम ने दिसंबर 2026 तक पर्यटकों के लिए खोलने के निर्देश दिए। कालीदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर मंगलवार को मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित कुकरैल नाइट सफारी पार्क एवं जू की समीक्षा की। सीएम ने कहा कि निर्माण कार्य हर हाल में जून 2026 तक पूरा कर लिया जाए। वन्य जीवों के लाने की समुचित व्यवस्था शुरू कर दी जाए। इकोनामी के लिए सस्टेनेबल मॉडल विकसित किया जाएं। 72 फीसदी एरिया में ग्रीनरी विकसित की जाए और यहां सौर ऊर्जा को प्रकल्पों को भी स्थान दिया जाए।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है नाइट सफारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नाइट सफारी प्रोजेक्ट राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है, इसके निर्माण के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से अनुमति प्राप्त हो गई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में दिसंबर 2026 में देश को पहली नाइट सफारी का उपहार मिल जाए। नाइट व डे सफारी का निर्माण चरणबद्ध रूप से होगा। लखनऊ में यह लगभग 900 एकड़ से अधिक में फैली होगी।

विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करेगी सफारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुकरैल नाइट सफारी का निर्माण हो जाने के पश्चात यह परियोजना अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर आ जाने के फलस्वरूप विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करेगी। कुकरैल नाइट सफारी परियोजना को लखनऊ स्थित अन्य पर्यटन स्थलों से भी जोड़ा जाएगा।

जानवरों को चिह्नित करने की प्रक्रिया हो शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए। कुकरैल नाइट सफारी परियोजना के अंतर्गत ईको टूरिज्म जोन भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के प्रकल्पों को स्थान दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि यहां क्वारंटीन सेंटर, वेटनरी हॉस्पिटल, पोस्ट ऑपरेशन व ऑपरेशन थियेटर की भी समुचित व्यवस्था हो।

संक्षिप्त खबरें

प्रो. यूवी किरण बनीं कार्यवाहक कुलसचिव

लखनऊ, संवाददाता। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रो. यूवी किरण को कार्यवाहक कुलसचिव बनाया गया है। उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया। इस समय वह विवि के मानव एवं परिवार अध्ययन विभाग में शिक्षक व गृहविज्ञान विद्यापीठ की डीन हैं। विवि के कार्यवाहक कुलपति प्रो. एनएमपी वर्मा ने सोमवार को कुलसचिव अश्विनी सिंह को अनुशासनात्मक कार्रवाई चलने के आरोप में निलंबित कर दिया था। मालूम हो कि कुलपति और रजिस्ट्रार के बीच प्रशासनिक कार्यों को लेकर तनातनी थी। रजिस्ट्रार पद से निलंबित किए गए डॉ. अश्विनी सिंह ने बताया कि कुलपति ने किन कारणों से उन पर कार्रवाई की इसकी जानकारी नहीं है। उन्हें किसी भी तरह का कोई कारण बताओ नोटिस भी नहीं जारी किया गया। अगर उनसे किसी भी तरह का जवाब तलब किया जाता है तो वह उसका जवाब देंगे।

ट्रक चालक व उसके साथियों ने बाइक सवार को पीटा

लखनऊ, संवाददाता। बाजारखाला के मिल रोड निवासी अनिल कुशवाहा ने मंगलवार को गल्ला गोदाम के ट्रक चालक व उनके साथियों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अनिल एक चॉकलेट कंपनी में मार्केटिंग की नौकरी करते हैं। आरोप है कि सोमवार सुबह नौ बजे वह काम से राजाजीपुरम जा रहे थे। रास्ते में मिल रोड पर एसबीआई बैंक के पास चालक अचानक ट्रक पीछे करने लगा। इसके चलते उनकी बाइक बेकाबू होकर ट्रक से टकराने से बची। शिकायत पर चालक व कंडक्टर समेत चार–पांच लोगों ने उन पर हमला बोल दिया। उनके सीने, बाएं कंधे और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। इंस्पेक्टर संतोष आर्य ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं, स्थानीय लोगों की शिकायत है कि एफसीआई गल्ला गोदाम में बोरियां उतारने के बाद कई ट्रक मिल रोड पर बेतरतीब ढंग से खड़े किए जाते हैं। इससे आवागमन प्रभावित होता है।

पुलिस की फटकार के बाद युवक ने दी जान

लखनऊ, संवाददाता। नशे में घर पहुंचे युवक का अपनी बहन से झगड़ा हुआ। परिजनों की सूचना पर पहुंचे पुलिस रिस्पॉन्स व्हीकल (पीआरवी) कर्मी उसे डांट फटकार कर चले गए। इसके बाद युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। घटना बंथरा इलाके की है। बंथरा के खटोला निवासी रोहित रावत (22) मजदूरी करते थे। उनके चाचा अजय कुमार के मुताबिक रोहित की आठ माह पहले मोहनलालगंज की मोनी से शादी हुई थी। झगड़े के चलते मोनी मायके चली गई। सोमवार को रोहित शराब के नशे में घर आया। इसे लेकर बहन लक्ष्मी से झगड़ा हो गया। परिजनों के समझाने पर वह मारपीट पर उतारू हो गया। सूचना पर पहुंचे पीआरवी कर्मियों ने रोहित को डांटा और चेतावनी देकर चले गए। इसके बाद रोहित चुपचाप कमरे में चला गया। कुछ देर बाद उसके पिता राममिलन खेत चले गए। काफी देर तक उसके बाहर न आने पर लक्ष्मी कमरे में गई तो रोहित पंखे के कुंडे से साड़ी के फंदे के सहारे लटका हुआ था। परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घरेलू कलह से परेशान युवक ने लगा लिया फंदा

लखनऊ, संवाददाता। बंथरा के खटोला गांव में रहने वाले रोहित रावत (22) ने घरेलू कलह के चलते सोमवार रात फंदा लगाकर जान दे दी। वह मजदूरी करते थे। परिजनों के अनुसार रोहित की आठ माह पहले मोहनलालगंज की मोनी से शादी हुई थी। कुछ दिन पहले किसी बात पर हुए झगड़े के बाद मोनी मायके चली गई। सोमवार को रोहित ने शराब के नशे में घरवालों से जमकर झगड़ा किया और कमरे में चले गए। कुछ देर बाद बहन लक्ष्मी कमरे में गई तो भाई का शव साड़ी से लटका देखा।

एसयूवी की टक्कर से महिला की मौत

लखनऊ, संवाददाता। मेला देखकर पैदल लौट रही बुजुर्ग महिला की एसयूवी की टक्कर से मौत हो गई। भरसवा गांव निवासी निर्मला (68) रविवार शाम सिसेंडी में लगे हटिया का मेला देखकर पैदल लौट रही थीं। मीनापुर गांव के पास तेज रफ्तार एसयूवी ने पीछे से उनको टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद आरोपी चालक भाग निकला। निर्मला को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था, वहां मंगलवार को उनकी मौत हो गई। उनके बेटे बबलू ने चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

युवती को अगवा कर चलती कार में रातभर छेड़छाड़ किया

लखनऊ, संवाददाता। कानपुर से आई युवती को कार से अगवा कर रातभर छेड़छाड़ और पिटाई करने की घटना सामने आई है। पीड़िता का आरोप है कि उसके मौसेरे भाई ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर उसे अगवा किया था। पांच घंटे बाद उसे सहेली के घर के बाहर फेंककर चले गए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।